Vishay
V.S.J. College

Final Lecture – 4 (Geography of India and Bihar)
BA - 2
Paper - 3

भारत की जनसंख्या वृद्धि, वितरण एवं घनत्व

जिला स्तरीय विश्लेषण :–

जनसंख्या के घनत्व का वास्तविक चित्र प्रस्तुत करने में जिला स्तर पर विश्लेषण अधिक तर्कसंगत है। औसत घनत्व की दृष्टि से तीन प्रकार के जनसंख्या घनत्व के क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है :–

I. उच्च घनत्व वाले जिले – 400 व्यक्ति प्रति वर्ग km से अधिक
II. मध्यम घनत्व वाले जिले – 200 से 400 व्यक्ति/km² के बीच
III. निम्न घनत्व वाले जिले – 200 व्यक्ति/km² से कम

उच्च घनत्व वाले जिलो को तीन समूहों में बाँटा गया है। पहला समूह उ० प्र०, बिहार, प० बंगाल, हरियाणा और पंजाब के निकटवर्ती जिले तथा दिल्ली का है। इस पट्टी के अधिकतर जिलों का घनत्व 500 से अधिक है। प० और पूर्वी छोर पर क्रमशः दिल्ली और कोलकाता के नगरीय और औद्योगिक क्षेत्र है। दूसरा समूह दक्षिण में केरल और तमिलनाडु की उच्च भूमियों के 33 जिले हैं, जिसका कारण विकसित कृषि, नगरों में कुटीर उद्योगों का प्रसार एवं नगरीकरण है। तीसरा समूह डेल्टाई क्षेत्र है। ये क्षेत्र पूर्वी तट पर महानदी, गोदावरी और कृष्णा नदियों के मैदानों एवं पश्चिमी पट पर महाराष्ट्र और गुजरात के मैदानी भागों में फैले हैं।

मध्यम घनत्व वाले जिले उन्ही राज्यों में उच्च घनत्व वाले जिलों के पास स्थित है। प्रायद्वीपिय भारत में संपूर्ण महाराष्ट्र, गुजरात के अधिकतर भाग, तेलंगाना और तटवर्ती आंध्रप्रदेश में फैले है। द० कर्नाटक, आंध्रप्रदेश के रायलसीमा के भागों तथा तमिलनाडु के निकटवर्ती भागों में विस्तृत मध्य घनत्व का दूसरा संबद्ध क्षेत्र है। अन्य क्षेत्र पंजाब व हरियाणा के मैदानों के कुछ भाग तथा राजस्थान के कुछ भाग हैं।

पर्वतीय तथा उबड़-खाबड़ क्षेत्र, शुष्क और अर्द्धशुष्क प्रदेश तथा वनाच्छादित प्रदेश विरल घनत्व वाले हैं। इस वर्ग में लगभग 168 जिले हैं।

Scanned with CamScanner